जीवन के पहले साल में

शिशुओं के लिए टीकाकरण

Hindi translation of *Immunisation for babies in the first year of life*

टीकाकरण

आपके बच्चे का जीवन भर के लिए संरक्षण

2, 3 और 4 माह के शिशुओं के लिए
नए टीकों के बारे में
जानकारी शामिल है

प्रवेश

यह गाइड एक साल तक के शिशुओं के माता-पिता के लिए है। इस में नित के टीकाकरण के बारे में जानकारी दी गई है जिन्हें बचपन की गंभीर बीमारियों से बचने के लिए शिशुओं को लगाया जाता है। इस में इन बीमारियों के बारे में विवरण भी है और यह ब्योरा भी कि बच्चों को इनसे रक्षा की क्यों आवश्यकता है।

विशेष करके इस में डीटीएपी/आईपीवी/ऐचआईबी (DTaP/IPV/Hib) नामक एक नए टीके का विवरण है जिसे आपके शिशु को डिफथीरिया, टैटनस, काली खांसी, पोलियो और ऐचआईबी से बचाने के लिए 2004 में शुरूकिया गया है। ये वही बीमारियां हैं जिनसे पहले भी संरक्षा की जाती रही है, परंतु यह टीका नया है और प्रभाव में बेहतर है।

"जिन्हों ने संसार के स्वास्थ्य को सर्वाधिक प्रभावित किया है, जन-स्वास्थ्य के वे दो साधन **साफ़ पानी** और **टीके** हैं।"

विश्व स्वास्थ्य संस्थान

टीकाकरण क्या है?

आपके शिशु को छूत की अनेक बीमारियों के कारण बीमार पड़ने से बचाने में सहायता करने का सर्वश्रेष्ठ और सुरक्षित तरीका टीकाकरण है। शिशुओं को टीके नामक इंजैक्शन दिए जाते हैं, वे शरीर को प्रतिजन उत्पन्न करने के लिए उत्साहित करते हैं। प्रतिजन छूत की बीमारियों से बचने के लिए शरीर के प्राकृतिक संरक्षा साधन हैं। यदि बच्चा बीमारियों के संपर्क में आता है तो टीकाकरण छूत से बचाव करने के लिए शरीर को तैयार रखने में सहायता देता है।

हमें टीकाकरण की आवश्यकता क्यों है?

सारे संसार में छूत की बीमारियों से हर वर्ष 14 मिलियन से अधिक लोग मरते हैं। इन बीमारियों में से अधिकतर तो उत्तरी आइरलैंड में दुर्लभ हो चुकी हैं और आपने उनके बारे में बहुत कम सुना होगा। ये दुर्लभ हुई हैं क्योंकि हम बहुत अधिक टीकाकरण करते हैं और टीके बीमारियों से छुटकारा दिलाने में बहुत ही सक्षम हैं। परंतु, ये संसार के अन्य भागों में अब भी व्यापक हैं और विदेश यात्रा में बढ़ोतरी के कारण इन्हें उत्तरी आइरलैंड में फिर से लाया जा सकता है और ये हमारे उन बच्चों को प्रभावित कर सकती हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है।

यह महत्वपूर्ण है कि हम न भूलें कि ये बीमारियां कितनी गंभीर हो सकती हैं। छोटे शिशुओं को इन संक्रमणों से सर्वाधिक ख़तरा होता है, इस लिए यह आवश्यक है कि उनका जितना जल्दी हो सके संरक्षण होना चाहिए। आपके शिशु को पूरी सुरक्षा देने के लिए इन्हें एक गिनती के इंजैक्शन लगने चाहिए, इसी लिए यह आवश्यक है कि कोर्स पूरा किया जाए। यदि आपका शिशु इन में से कोई इंजैक्शन चूक जाता है तो भले ही काफ़ी समय बीत चुका हो, उन्हें बीमारी लग सकती है। अपने जीपी या हैल्थ विज़िटर से जो ख़ुराक चुक गई है, उसे देने की व्यवस्था करने के लिए कहें। उन्हें पूरा कोर्स फिर से शुरूकरने की आवश्यकता नहीं है।

कुछ बीमारियां बड़े बच्चों के लिए अधिक गंभीर हो सकती हैं - इस लिए यह महत्वपूर्ण है कि उन्हें बूस्टर (वर्धक) टीके देने को सुनिश्चित किया जाए।

यदि आप टीकाकरण के बारे कुछ पूछना चाहते हैं तो अपने जीपी, दवाख़ाने की नर्स या हैल्थ विज़िटर से बात करें। आप इन्हें भी देख सकते हैं www.immunisation.nhs.uk या www.dhsspsni.gov.uk/phealth या www.mmrthefacts.nhs.uk

शिशुओं के लिए टीके

डीटीएपी/आईपीवी/ऐचआईबी (DTaP/IPV/Hib) टीका

यह नया टीका डिफथीरिया (diphtheria - D), टैटनस (tetanus - T) और काली खांसी (pertussis - P, या whooping cough), पोलियो (अक्रियाशील पोलयो टीका - Inactivated Polio Vaccine - IPV) और हीमोफ़ाइलस इन्फ़्लुएंज़ी टाइप बी (Haemophilus influenzae type b - Hib) के विरुद्ध संरक्षण प्रदान करता है। पोलियो का भाग अब मुंह द्वारा न दे कर, उसी इंजेक्शन में दिया जाता है।

आपके शिशु को दो, तीन और चार माह की आयु में डीटीएपी/आईपीवी/ऐचआईबी (DTaP/IPV/Hib) टीका मिलना चाहिए।

आपके बच्चे को स्कूल जाना शुरूकरने से पहले डिफथीरिया, टैटनस, काली खांसी और पोलियो विरुद्ध बूस्टर दिया जाएगा। आगे चल कर उन्हें 14 और 18 वर्ष की आयु के बीच टैटनस, डिफथीरिया और पोलिया का बूस्टर फिर दिया जाएगा।

यह परिवर्तन अब क्यों किया जा रहा है?

यूके में पोलियो का संक्रमण लाने का ख़तरा बहुत ही कम है। यह इस लिए हुआ है कि विश्वव्यापी टीकाकरण कार्यक्रम के कारण पोलियो को लगभग समाप्त कर दिया गया है। इस का अर्थ है कि अब मुंह द्वारा देने के जीवित पोलियो टीके (oral polio vaccine - OPV), जो सामुदायिक संरक्षण बेहतर प्रदान करता है, के स्थान पर अक्रियाशील पोलियो टीका (inactivated polio vaccine - IPV), जो व्यक्तिगत संरक्षण बेहतर देता है, को दिया जा सकता है।

काली खांसी का एक अन्य टीका अब उपलब्ध है जो पहले काम में आने वाले टीके के बराबर ही प्रभावकारी है परंतु उसके कारण मामूली प्रतिक्रियाएं कम होती हैं।

मेरी बेटी को पहले पुराने टीके से संरक्षण देना शुरू किया गया था - क्या उसे अब नए टीके दिए जा सकते हैं?

पुराने और नए टीके आपस में एक दूसरे के मुआफ़िक़ हैं। यदि उसे टीकाकरण का पूरा कोर्स दिया जाता है तो वह पूरी तरह से सुरक्षित रहेगी (पिछला आवरण देखें)।

हमें कैसे पता चला है कि यह नया टीका सुरक्षित और प्रभावकारी है?

किसी को भी दिए जाने से पहले टीके को यह देखने के लिए कि वह सुरक्षित और प्रभावकारी है, अनेक परीक्षणों में से गुज़रना पड़ता है। टीके को चलन में लाने के पश्चात भी परीक्षण जारी रहते हैं। केवल वही टीके उपयोग में आते हैं जो सुरक्षा के सभी परीक्षणों में सफल रहते हैं। सभी दवाइयों के कारण गौण प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं, परंतु टीके सब से सुरक्षित दवाओं में से हैं। संसार भर में अनुसंधान से पता चलता है कि आपके बच्चे के स्वास्थ्य को बचाने के लिए सब से सुरक्षित तरीक़ा टीकाकरण है। गौण प्रभाव के बारे अधिक जानकारी के लिए आगे पृष्ठ 6 देखें।

डीटीएपी/आईपीवी/ऐचआईबी (DTaP/IPV/Hib) टीका किन बीमारियां से संरक्षण देगा?

डिफथीरिया (रोहिणी)

डिफथीरिया एक गंभीर रोग है जो तीव्रता से सांस लेने में समस्याएं पैदा कर सकता है। यह हृदय और स्नायु-तंत्र को हानि पहुंचा सकता है और प्रचंड मामलों में जान से मार सकता है। डिफथीरिया टीके शुरूहोने से पहले उत्तरी आइरलैंड में हर वर्ष डिफथीरिया के लगभग 1,500 मामले सामने आते थे।

टैटनस (धनुक-बाई)

टैटनस एक दुखदायी रोग है जो मांस-पेशियों को प्रभावित करता है और सांस लेने में समस्याएं पैदा कर सकता है। यह मिट्टी और गोबर-लीद में मिलने वाले जीवाणुओं के कारण होता है जब वे शरीर में किसी खुले ज़ख़्म या जले भाग से प्रवेश करते हैं। टैटनस स्नायु-तंत्र को प्रभावित करता है और जान से मार सकता है।

काली खांसी

काली खांसी एक रोग है जिस के कारण खांसने और दम घुटने के लंबे दौरे पड़ते हैं जो सांस लेना कठिन कर देते हैं। यह रोग 10 सप्ताह तक चल सकता है। यह छोटे बच्चों के लिए बहुत गंभीर हो सकता है और एक साल से छोटे शिशुओं को जान से मार सकता है। काली खांसी के टीके शुरूहोने से पहले उत्तरी आइरलैंड में साल भर में 3,500 तक काली खांसी के मामले रिपोर्ट किये गए हैं।

पोलियो

पोलियो एक वाइरस है जो स्नायु-तंत्र पर आक्रमण करता है और सदैव के लिए मांस-पेशियों को लकवा-ग्रस्त कर सकता है। यदि यह छाती की मांस-पेशियों या मस्तिष्क को प्रभावित कर दे तो पोलियो से मौत हो सकती है। पोलियो टीके शुरूहोने से पहले उत्तरी आइरलैंड में साल भर में 1,500 तक पोलियो लकवे के मामले हुए हैं।

ऐचआईबी (Hib)

ऐचआईबी (Hib) एक संक्रमण है जिन के कारण अनेक प्रमुख रोग जैसे कि रक्त में विषाक्तता, न्यूमोनिया और तानिका-शोथ (मस्तिष्क की झिल्ली में सूजन - मैनिंजाइटिस) हो सकते हैं। यदि इनका शीघ्र ही उपचार न किया जाए तो ये सभी रोग जान से मार सकते हैं। ऐचआईबी टीका आपके शिशु को केवल एक प्रकार के तानिका-शोथ से ही बचाता है। यह किसी अन्य प्रकार के तानिका-शोथ से संरक्षण प्रदान नहीं करता है।

डीटीएपी/आईपीवी/ऐचआईबी (DTaP/IPV/Hib) टीके के गौण प्रभाव

अधिकतर शिशुओं को कोई भी गौण प्रभाव नहीं होते हैं, परंतु सभी शिशु अलग अलग होते हैं। आपके शिशु को निम्नलिखित गौण प्रभावों में से कुछ हो सकते हैं और वे हल्के ही होते हैं।

- इंजैक्शन लगने उपरांत 48 घंटे तक चिड़चिड़ापन;
- हल्का सा बुख़ार (पृष्ठ 9 देखें);
- इंजैक्शन लगने के स्थान पर छोटी सी गठान। यह कुछेक सप्ताह रह सकती है और धीरे धीरे समाप्त हो जाएगी।

यदि आपके विचार में आपके शिशु को डीटीएपी/आईपीवी/ऐचआईबी (DTaP/IPV/Hib) टीके के कारण कोई अन्य प्रतिक्रिया हुई है और आप इसके बारे में चिंतित हैं तो अपने डाक्टर, दवाख़ाने की नर्स या हैल्थ विज़िटर से बात करें।

बहुत ही बिरले, टीके के कारण एलर्जी प्रतिक्रिया जैसे कि शरीर के किसी भाग पर या पूरे शरीर पर ददोरे या खुजली हो सकती है। और भी बिरले, बच्चों को टीका लगने के कुछ ही मिनटों में तीव्र प्रतिक्रिया हो सकती है जिस में सांस लेने में कठिनाई और संभवतः मौत हो सकती है। इसे अतिरंजित प्रतिक्रिया (एनाफ़ाइलैक्सिस - anaphylaxis) कहते हैं। एक ताज़ा अध्ययन से पता चला है कि लगभग 5 लाख टीके देने पर कहीं एक एनाफ़ाइलैक्सिस का मामला सामने आता है। एलर्जी प्रतिक्रिया से चिंता हो सकती है परंतु उपचार से स्थिति जल्दी ही और पूरी तरह ठीक हो जाती है।

बहुत ही बिरले, शिशुओं को डीटीएपी/आईपीवी/ऐचआईबी (DTaP/IPV/Hib) का टीका लगने के एक या दो दिन पश्चात मूर्च्छा का दौरा पड़ सकता है। यह साधारणतया तेज़ बुख़ार से संबंधित होता है (पृष्ठ 9 देखें)। यदि आपके शिशु को दौरा पड़ता है तो तुरंत जीपी से संपर्क साधें। शिशु साधारणतया दौरे में से जल्दी ही और पूरी तरह बाहर आ जाते हैं। छोटे शिशुओं को कभी भी दौरा पड़ सकता है इस लिए टीकाकरण के पश्चात का दौरा लाज़मी नहीं है कि टीके से ही संबंधित हो। आपका डाक्टर ही तय करेगा कि क्या आपके शिशु को टीके की और ख़ुराकें दी जा सकती हैं या नहीं। यदि आप टीकाकरण में विलंब करते हैं तो इस से आपके शिशु को डीटीएपी/आईपीवी/ऐचआईबी (DTaP/IPV/Hib) का टीका लगने के पश्चात दौरा पड़ने के अवसर बढ़ सकते हैं क्योंकि जीवन के पहले छः महीने में तेज़ बुख़ार के कारण दौरा पड़ना विशेष व्यापक नहीं है। इस लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आपके शिशु को ठीक आयु पर टीके लगते रहें।

मैन-सी (MenC) टीका

यह टीका मैनिंगोकोकल ग्रुप सी (मैन-सी - MenC) के संक्रमण से संरक्षा करता है; यह बैक्टीरिया तानिका शोथ (meningitis) और रक्त विषाक्तता (septicaemia) का कारण बन सकता है। मैन-सी टीका अन्य प्रकार के बैक्टीरिया या वाइरस के कारण से होने वाले तानिका शोथ से संरक्षण नहीं देता है।

आपके शिशु को मैन-सी टीका दो, तीन और चार माह की आयु पर लगना चाहिए।

तानिका शोथ और रक्त विषाक्तता क्या हैं?

तानिका शोथ (meningitis) मस्तिष्क की झिल्ली में सूजन आना है। रक्त विषाक्तता (septicaemia) खून में ज़हर फैलने को कहते हैं। जो जीवाणु तानिका शोथ का कारण बनता है, वही रक्त विषाक्तता का कारण भी हो सकता है। शिशु और 15 से 17 वर्ष के नवयुवा लोगों को मैनिंगोकोकल ग्रुप सी के कारण तानिका शोथ या रक्त विषाक्तता होने का ख़तरा सब से अधिक होता है।

मैन-सी टीका कितना प्रभावकारी है?

जब से मैन-सी टीका शुरूहुआ है, ग्रुप सी रोग से पीड़ित एक वर्ष से कम आयु के शिशुओं की गिनती में लगभग 95% की कमी आई है। लगभग दस में से नौ शिशुओं को टीका लगते ही संरक्षण प्राप्त हो जाता है।

तानिका शोथ और रक्त विषाक्तता दोनों ही अत्यंत गंभीर बीमारियां हैं। इस लिए यह महत्वपूर्ण है कि आपको इनके लक्षणों की पहचान हो और यह भी पता हो कि जैसे ही आप इन्हें देखें तो क्या करना चाहिए (पृष्ठ 10 देखें)।

मैन-सी टीके के गौण प्रभाव

आपके शिशु को जहां इंजैक्शन लगा है, वहां लाली और सूजन हो सकती है। जिन शिशुओं को टीका लगता है उनमें से लगभग आधे चिड़चिड़े हो जाते हैं और 20 में से लगभग 1 को हल्का बुख़ार हो सकता है। बहुत ही बिरले, टीके के कारण एलर्जी की प्रतिक्रिया हो सकती है (पृष्ठ 6, सामने देखें)।

ऐमऐमआर (MMR) टीका

ऐमऐमआर (MMR) आपके बच्चे को खसरा (measles - M), कनपेड़ा (mumps - M) और ज खसरा (rubella - R) से संरक्षण प्रदान करता है।

आपके शिशु को ऐमऐमआर (MMR) टीका लगभग 15 माह की आयु पर लगना चाहिए।

आपके बच्चे को ऐमऐमआर (MMR) की बूस्टर ख़ुराक स्कूल जाने से पहले दी जाएगी।

जब आपके बच्चे को ऐमऐमआर (MMR) और ऐमऐमआर (MMR) बूस्टर के लगने का समय आएगा तो इनके बारे में आपको सूचना दी जाएगी। यदि आप जानकारी पहले ही चाहते हैं तो वैबसाइट www.mmrthefacts.nhs.uk या www.dhsspsni.gov.uk/phealth देखें या अपने हैल्थ विज़िटर से पूछने में संकोच न करें।

टीकाकरण के बारे साधारण प्रश्न

मैं अपने शिशु को टीके लगने के पश्चात तैराकी के लिए कब ले जा सकता/सकती हूं?

आप अपने शिशु को उन्हें टीका लगने से पहले या पश्चात कभी भी ले जा सकते हैं। व्यापक भ्रम के विपरीत, शिशु को तैराकी के लिए जाने से पहले किसी टीकाकरण की आवश्यकता नहीं है।

क्या मेरे शिशु के संरक्षण के लिए कोई अन्य उपाय भी हैं?

आपके शिशु के संरक्षण के लिए कोई भी अन्य सिद्ध व प्रभावकारी तरीका नहीं है। होम्योपैथिक दवाई को काली खांसी के विरुद्ध एक अन्य तरीके की तरह परखा गया है, परंतु यह काम नहीं करती है। काउंसिल ऑफ़ दी फ़ैकल्टी ऑफ़ होम्योपैथी (Council of the Faculty of Homeopathy - होम्योपैथी में योग्यता प्राप्त डाक्टरों की पंजीकृत संस्था) का माता-पिता को परामर्श है कि वे अपने बच्चों का मानक टीकों द्वारा ही संरक्षण करवाएं।

मैं ने सुना है कि टीकों में थायोमर्सल (पारा) होता है

नित के बचपन के संरक्षण कार्यक्रम के टीकों में अब थायोमर्सल काम में नहीं लिया जाता। 60 वर्षों तक टीकों के परिरक्षण में सहायता के लिए पारे की छोटी सी मात्रा काम में लाई जाती रही है। इस समय में कभी कोई प्रमाण नहीं मिला है कि इस से कोई हानि हुई है। परंतु विश्वव्यापी लक्ष्य कि पारे के वर्जनीय स्रोतों से बचा जाए को ध्यान में रखते हुए इस का उपयोग धीरे धीरे बंद कर दिया गया है।

क्या कोई ऐसे कारण हैं कि मेरे शिशु को संरक्षण के लिए टीका न लगाया जाए?

बहुत ही कम ऐसे कारण हैं जिन के होते शिशुओं को संरक्षण के लिए टीका नहीं लगाना चाहिए। यदि आपके शिशु को निम्नलिखित में से कुछ है तो आपको अपने हैल्थ विज़िटर, जीपी या दवाख़ाने की नर्स को बता देना चाहिए:

- अधिक ताप से तेज़ बुख़ार है;
- पहले कभी किसी टीकाकरण से ख़राब प्रतिक्रिया हुई है;
- किसी चीज़ से तेज़ एलर्जी है;
- रक्तस्राव का विकार है;
- पहले कभी मूर्च्छा के दौरे पड़े हैं;
- कैंसर के लिए कभी उपचार हुआ है;
- कोई ऐसी बीमारी है जिस के कारण संरक्षण प्रणाली प्रभावित हुई है (जैसे कि श्वेतरक्तता (leukaemia), ऐचआईवी (HIV), या एड्ज़ (AIDS));
- कोई ऐसी दवाई काम में ली जा रही है जिस के कारण संरक्षण प्रणाली प्रभावित हुई है (जैसे कि अंग प्रतिरोपण पश्चात या कैंसर के लिए स्टीरौइड्ज़ की अधिक ख़ुराक या अन्य उपचार);
- कोई अन्य गंभीर रोग।

इन से सदा ही यह संकेत नहीं मिलता कि आपके शिशु को टीका नहीं दिया जा सकता, परंतु इस जानकारी से डाक्टर या नर्स को आपके शिशु के लिए सर्वोत्तम संरक्षण के बारे में फ़ैसला करने में सहायता मिलती है और यह भी कि क्या आपको किसी अन्य परामर्श की आवश्यकता है। परिवार में किसी बीमारी का इतिहास कभी भी ऐसा कारण नहीं बनता कि शिशु को संरक्षण के लिए टीका न लगाया जाए।

यदि मेरे शिशु को टीका लगने के उपरांत तेज़ बुख़ार हो जाता है तो क्या होगा?

टीकों से गौण प्रभाव बिरले ही होते हैं, वे साधारणतया हल्के और शीघ्र ही मिट जाने वाले होते हैं। कुछ शिशुओं को अधिक ताप या तेज़ बुख़ार (37.5 डिग्री सेंटिग्रेड से अधिक) हो सकता है। यदि आपके शिशु का चेहरा छूने पर गर्म या तमतमाया हुआ लगता है तो संभवतः उसे बुख़ार है। आप थर्मामीटर से ताप माप सकते हैं।

शिशुओं और बच्चों में बुख़ार सामान्यतः हो जाता है। उन्हें यह संक्रमण अक्सर लग जाते हैं। कभी कभार बुख़ार से शिशु को मूर्च्छा का दौरा पड़ सकता है। भले ही यह संक्रमण के कारण हो या टीका लगने के कारण, बुख़ार के कारण दौरा पड़ सकता है। इस लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि यदि शिशु को बुख़ार है तो क्या करना चाहिए। याद रखें, बुख़ार के बीमारियों के कारण बुख़ार होने की अधिक संभावना है न कि टीके के कारण।

याद रखें, 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को कभी भी ऐस्पिरिन न दें।

बुख़ार का उपचार कैसे करें

1. आपका शिशु ठंडक में है, इसे सुनिश्चित करने के लिए:
   - उन पर अधिक कपड़ों या कंबलों की तहें न डाले;
   - जिस कमरे में वे हैं, वह अधिक गर्म नहीं है (यह ठंडा भी नहीं होना चाहिए, बस आरामदह ठंडा हो)।
2. उन्हें पीने के लिए काफ़ी मात्रा में ठंडे पेय दें।
3. उन्हें बच्चों को देने योग्य पैरासिटामौल या आईबोप्रोफ़िन तरल दें (शकर-मुक्त की मांग करें)। शीशी पर दी हुई हिदायतें ध्यान से पढ़ें और आपके शिशु के भार के अनुसार ठीक ख़ुराक दें। हो सकता है कि आपको चार से छः घंटे के पश्चात दूसरी ख़ुराक देने की आवश्यकता हो।

डाक्टर को तुरंत बुलाएं, यदि आपका बच्चे को:
- **बहुत ही अधिक ताप (39 डिग्री सेंटिग्रेड या उस से अधिक) है**
- **मूर्च्छा का दौरा पड़ा है**

यदि आपके बच्चे को मूर्च्छा का दौरा पड़ा है तो उसे सुरक्षित स्थान पर लिटाएं क्योंकि उनके शरीर में फड़कन या ऐंठन हो सकती है।

तानिका शोथ (meningitis) और रक्तविषाक्तता (septicaemia) को पहचानना

मैन-सी और ऐचआईबी टीके दो प्रकार के मैनिंजाइटिस और सैप्टीसीमिया से संरक्षण प्रदान करते हैं। इनके अन्य प्रकार भी हैं जिनसे संरक्षण के लिए अभी टीके नहीं हैं, इस लिए इनके लक्षणों के बारे में सावधान रहना महत्वपूर्ण है।

मैनिंजाइटिस के कारण मस्तिष्क की झिल्ली में सूजन हो सकती है। वही जीवाणु सैप्टीसीमिया (रक्त विषाक्तता) का कारण भी बनते हैं। मैनिंजाइटिस या सैप्टीसीमिया से पीड़ित शिशु या बच्चा कुछ ही घंटों में बहुत बीमार हो सकता है। यदि उपचार न किया जाए तो दोनों रोग मृत्यु कारक हो सकते हैं। मैनिंजाइटिस के शुरू के लक्षण हल्के और कुछ सर्दी और फ़्लू जैसे होते हैं, जैसे कि अधिक ताप (37.5 डिग्री सेंटिग्रेड और अधिक), चिड़चिड़ापन, उल्टी आना और भोजन से इनकार करना। परंतु कुछेक महत्वपूर्ण लक्षणों, जिनके लिए सावधान रहना चाहिए, में शामिल हैं:

शिशुओं में

- ऊंचे स्वर में रोना;
- सोते को मुश्किल से जगाना;
- बहुत ही अधिक ताप (39 डिग्री सेंटिग्रेड और अधिक);
- पीली या धब्बेदार त्वचा;
- बहुत ही ठंडे हाथ पांव;
- लाल या बैंगनी रंग के धब्बे या निशान जो दबाव डालने पर हल्के नहीं पड़ते (चित्र देखें)। ये शरीर पर कहीं भी हो सकते हैं।

बड़े बच्चों में

- अकड़ी हुई गर्दन - क्या बच्चा अपने माथे से घुटने को छू सकता है?
- उनींदापन और घबराहट;
- सख़्त सिर दर्द;
- तेज़ चमकदार प्रकाश को पसंद न करना;
- बहुत ही ठंडे हाथ पांव;
- लाल या बैंगनी रंग के धब्बे या निशान जो दबाव डालने पर हल्के नहीं पड़ते (चित्र देखें)। ये शरीर पर कहीं भी हो सकते हैं।

यदि सैप्टीसीमिया के ददोरे पर शीशे के ग्लास को दबाया जाए तो ददोरा हल्का नहीं पड़ता है। आप शीशे में से ददोरे को देख सकेंगे। यदि ऐसा होता है तो तुरंत डाक्टर की सहायता प्राप्त करें।

आपको सभी लक्षणों के नज़र आने की प्रतीक्षा नहीं करना चाहिए। यदि आपका बच्चा इन महत्वपूर्ण लक्षणों में से किसी भी एक के साथ बीमार होता है तो डाक्टर से तुरंत संपर्क करें या अपने बच्चे को समीप के हस्पताल के दुर्घटना और आपातकालीन विभाग (accident and emergency department) में ले जाएं।

मुझे अधिक जानकारी कहां मिल सकती है?

दी मैनिंजाइटिस रिसर्च फ़ाउंडेशन (The Meningitis Research Foundation) और मैनिंजाइटिस ट्रस्ट (Meningitis Trust) दोनों ही मैनिंजाइटिस के बारे जानकारी देती हैं।

- मैनिंजाइटिस रिसर्च फ़ाउंडेशन की 24 घंटे उपलब्ध हैल्पलाइन 080 8800 3344 पर या 028 9032 1283 पर टैलीफ़ोन करें। आप वैबसाइट www.meningitis.org भी देख सकते हैं।
- मैनिंजाइटिस ट्रस्ट की 24 घंटे उपलब्ध हैल्पलाइन 0845 6000 800 पर टैलीफ़ोन करें या वैबसाइट www.meningitis-trust.org देखें।

बचपन में नित का टीकाकरण कार्यक्रम

कब टीका लगवाया जाए	बीमारियां जिनके विरुद्ध टीके संरक्षण देते हैं	यह कैसे दिया जाता है
2, 3 और 4 माह की आयु	डीफथीरिया, टैटनस, काली खांसी, पोलियो और ऐचआईबी मैनिंजाइटिस सी	एक इंजैक्शन एक इंजैक्शन
लगभग 15 माह की आयु	खसरा, कनपेड़े और जर्मन खसरा	एक इंजैक्शन
3 से 5 वर्ष की आयु	डिफथीरिया, टैटनसस काली खांसी और पोलियो खसरा, कनपेड़े और जर्मन खसरा	एक इंजैक्शन एक इंजैक्शन
10 से 14 वर्ष की आयु (और कभी जन्म के तुरंत उपरांत)	तपेदिक (बीसीजी - BCG टीका)	त्वचा पर परीक्षण, फिर यदि आवश्यकता हो तो एक इंजैक्शन
14 से 18 वर्ष की आयु	टैटनस, डिफथीरिया और पोलियो	एक इंजैक्शन

यदि आपका बच्चा इन में किसी टीके को चूक गया है तो कभी भी इतनी देर नहीं हुई है कि उसकी भरपाई न की जाए। अपने जीपी या हैल्थ विज़िटर से मुलाकात करने की व्यवस्था करें।

यदि आप टीकाकरण के बारे अधिक जानकारी चाहते हैं तो DHSSPS की वैबसाइट www.dhsspsni.gov.uk/phealth देखें या राष्ट्रीय टीकाकरण की वैबसाइट www.immunisation.nhs.uk या www.mmrthefacts.nhs.uk देखें।

Health Promotion Agency

Department of Health, Social Services and Public Safety
www.dhsspsni.gov.uk

Produced by the Health Promotion Agency for Northern Ireland on behalf of the Department of Health, Social Services and Public Safety and the four Health and Social Services Boards. Crown Copyright material reproduced with the permission of the Controller of HMSO and the Queen's Printer for Scotland.

01/05